धोरा वाली धरती नखत बना,
काली नागिन डोले रे।

दोहा -धिन धुणो धीन धाम ने,
धिन धिन कलीया नाडी री पाल,
धिन नाम नखतेश रो,
म्हारा पुर्ण करजो काम।

धोरा वाली धरती नखत बना,
काली नागिन डोले रे,
बोझा मे खरङावे नुगरी बाँडकी,
नखत बनाने ध्यावे जारा,
संकट कोनी रेवे ओ,
धोरा री धरती रा साचा देवता।।

ऑडी चाले टेडी चाले,
टेढ़ा डँक लगावे औ,
जहर तो फेलावे सारे डिल मे।।

बिछुड़ा रा खादौड़ा,
उबुङा अरङावे जी,
सर्पा रा खादौड़ा सेदँ आवसी।।

दिन दिन हाली हलिया बावे,
सांझ पडीया घर आवे ओ,
सुता ने पि जावे पेणा नागडा।।

पेणा रा पियोडा,
सिद्धा सुताही रे जावे ओ,
सैंदे नखत हेलो मारसी।।

दोय कर जोड खिवजी,
माकड गावे ओ,
बचन निभाई सिद्ध म्हारा पेलडा।।

धोरां वाली धरती नखत बना,
काली नागिन डोले रे,
बोझा मे खरडावे नुगरी बाँडकी,
नखत बनाने ध्यावे जारा,
संकट कोनी रेवे ओ,
धोरा री धरती रा साचा देवता।।

प्रेषक जयप्रकाश सिँवर।
9602812689

Source:
https://www.bharattemples.com/dhora-wali-dharti-nakhat-bana-kali-nagin-dole-re/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw